TIMES OF INDIA
12 September, 2017

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI / DEHRADUN
TUESDAY, SEPTEMBER 12, 2017

1,400 forest dept workers killed on duty in 70 years

TIMES NEWS NETWORK

Dehradun: Homage was paid to over 1,400 forest department employees, who were killed while safeguarding country's forest wealth and wildlife since independence.

The slain staff, including guards, rangers, DFOs, DCF and other forest department workers were commemorated on the occasion of National Forest Martyrs Day observed on Monday at a ceremony held at forester memorial inside Forest Research Institute (FRI), Dehradun.

Dr Savita, director FRI, said, "These martyrs inspire us to do our duty sincerely. We observed two minutes of silence in their memory and will remember their sacrifice always."

FOREST MARTYRS

Meanwhile, divisional forest officer (DFO), Dehradun, P K Patro said, "It is important to remember the martyrs who laid their lives for protecting forests and wildlife. In fact, Uttarakhand has been observing this day since 2011 on a different date at forest offices and other states observed it separately on varied dates. Only in 2013, we received orders from the Union government to observe this day across the country on September 11." On September 11, 1730, over 360 people of Bishnoi tribe were killed in Khejarli, now in Rajasthan, when they had objected to the felling of Khejritrees, by the then king of Jodhpur.

GARHWAL POST
12 September, 2017

National Forest Martyrs' Day observed at FRI

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 11 Sep: To commemorate foresters who laid down their lives to protect forests and wildlife, the National Forest Martyrs' Day was observed today at the Foresters' Memorial in the Forest Research Institute, here.

Dr SC Gairola, Chief Guest and Director General, Indian Council of Forestry Research and Education, Dr Sashi Kumar, Director, IGNFA, Dr Savita, Director, FRI, Dr Ajay Kumar, PCCF Regional Office, DDGs, ICFRE and other senior officials and employees of ICFRE & FRI paid floral tribute at the Foresters' Memorial to honour and remember all men and women who have given the ultimate sacrifice for forests and wildlife.

He recalled that on this day in 1730, over 360 people of the Bishnoi community were killed in Khejarli, now in Rajasthan, when they had objected to felling of Khejri trees, by the Maharaja of Jodhpur. He also pointed out that about 1400 foresters have so far attained martyrdom while safeguarding the country's forest wealth and wildlife in India, which is quite high as compared to other countries of the world.

National Forest Martyrs' Day was attended by a large number of employees from ICFRE, FRI, CASFoS, IGNFA including IFS Probationers, officers and employees of the Regional Office, students of FRI Deemed University. Two minutes of silence were observed in memory of the martyrs.

THE HIMACHAL TIMES
12 September, 2017

National Forest Martyrs Day observed at FRI

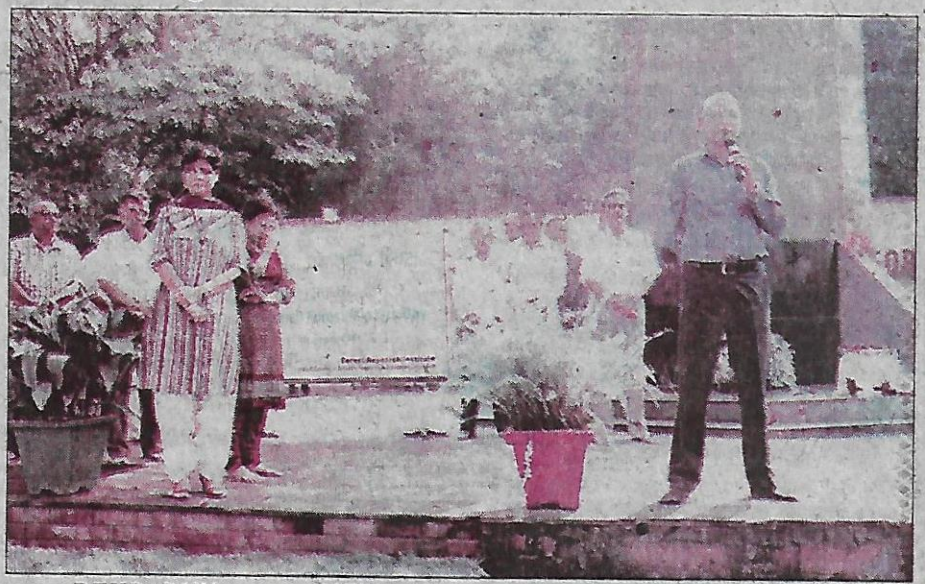

DEHRADUN, SEP 11 (HTNS)

To commemorate foresters who had laid down their lives to protect forests and wildlife, National Forest Martyrs Day was observed at Forester Memorial, Brandis Road in Forest Research Institute, here today.

Dr SC Gairola, Chief Guest and Director General, Indian Council of Forestry Research and Education; Dr Sashi Kumar, Director, IGNFA; Dr Savita, Director, FRI; Dr Ajay Kumar, PCCF Regional Office, DDGs, ICFRE and other senior officials and employees of ICFRE and FRI paid floral tributes on the foresters memorial at FRI to honour and remember all men and women who have given the ultimate sacrifice for forests and wildlife.

Dr SC Gairola recalled that on this day in 1730, over 360 people of Bishnoi tribe community were killed in Khejarli, now in Rajasthan, when they had objected felling of Khejri trees, by the king of Jodhpur. He also pointed out that about 1400 foresters have so far attained martyrdom while safeguarding country's forest wealth and wildlife in India, which is quite high as compared to the Asian and other countries of the world. A large number of employees attended National Foresters Martyrs Day from ICFRE, FRI, CASFoS, IGNFA including IFS Probationers, officers and employees of Regional Office. Students of FRI Deemed University were also present on this occasion. A two-minute silence was observed in memory of the martyrs.

उत्तराखण्ड केसरी
12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते महानिदेशक डा. एस.सी. गैरोला।

देहरादून, 11 सितम्बर (स.ह.): वन अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित 'वन शहीद स्मारक' के प्रांगण में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस आयोजित किया गया।

यह दिवस वन व वन्यजीव की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले वन रक्षकों की याद में मनाया गया इस दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. एस.सी. गैरोला, डा. शशि कुमार निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी की निदेशक डा. सविता, वन अनुसंधान संस्थान के मुख्य वन संरक्षक, डा. अजय कुमार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के उप- महानिदेशक तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व वन अनुसंधान संस्थान के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगणों ने शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने वन व वन्यजीव के लिए अपने को शहीद कर दिया।

वन शहीद दिवस में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, वन अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय राज्य वन प्रशिक्षण अकादमी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के अधिकारी/कर्मचारी, भारतीय वन सेवा के कर्मी, क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारी, एफ.आर.आई. विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वन शहीदों की याद में 2 मिनट के मौन के साथ सम्पन्न हुआ।

शाह टाईम्स
12 सितम्बर, 2017

शहीदों का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता: डा. गैरोला

एफआरआई परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित ''वन शहीद स्मारक'' के प्रांगण में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस आयोजित किया गया। यह दिवस वनों तथा वन्यजीव की सुरक्षा हेतु अपने जीवन का बलिदान करने वाले वन रक्षकों की याद में मनाया गया।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डा. एससी गैरोला, , डा. शशि कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, डा. सविता निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, डा. अजय कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के उप महानिदेशक तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगणों ने शहीद स्मारक पर उन सभी के सम्मान एवं स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होने वनों तथा वन्य जीवन हेतु अपने को शहीद कर दिया। इस अवसर पर महानिद. शक, भावाअशिप ने अपने सम्बोधन में कहा कि सन् 1736 में विंशनोई जनजाति समुदाय के 360 से ज्यादा लोग राजस्थान के खिजरोली में मारे गए थे, जब उन्होने खेजडी के वृक्षों को जोधपुर के राजा द्वारा कटवाने का विरोध किया था।उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि भारत में लगभग 1400 वन कर्मी देश की वन सम्पदा तथा वन्यजीवन की सुरक्षा हेतु अभी तक शहीद हो चुके हैं, जो विश्व के अन्य देशों तथा एशिया के देशों की तुलना में बहुत अधिक है। वन शहीद दिवस में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, वन अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय राज्य वन प्रशिक्षण अकादमी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी आदि के अधिकारी, कर्मचारी भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थी, कार्यालय के कर्मचारी, एफआरआई विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वन शहीदों की याद में दो मिनट के मौन के साथ सम्पन्न हुआ।

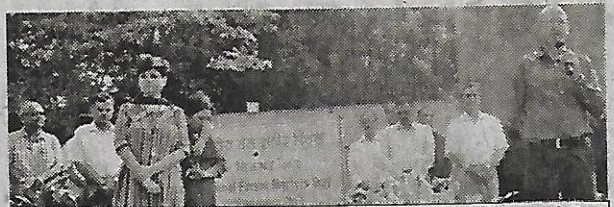

वन अनुसंधान संस्थान परिसर में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते महानिदेशक डा. एससी गैरोला।

अमर उजाला
12 सितम्बर, 2017

वन विभाग के शहीदों को किया नमन

एफआरआई स्थित वन शहीद स्मारक पर दी गई श्रद्धांजलि

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

वन शहीद दिवस पर बड़ी संख्या में लोग एफआरआई स्थित वन शहीद स्मारक पर पहुंचे और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने शहीदों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डॉ.एससी गैरोला ने कहा कि देश की वन संपदा की रक्षा के लिए अब तक 1400 वन कर्मी मारे जा चुके हैं बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। लगातार चुनौती और दबाव बढ़ा है, इसे बाद भी वन कर्मियों के हौसले में कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि वनों को बचाने के लिए लोग शहादत देते आए हैं। 1736 में बिश्नोई जनजाति समुदाय के 360 से ज्यादा लोग राजस्थान के खिजरोली में मारे गए थे, जब उन्होने खेजडी के वृक्षों को जोधपुर के राजा द्वारा कटवाने का विरोध किया था। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी डॉ.शशि कुमार, एफआरआई निदेशक डॉ.सविता ने शहीद दिवस पर संबोधित किया।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर एफआरआई में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि देते डीजी आईसीएफआरई डा. एससी गैरोला व अन्य।

अपनों ने फेरी नजरें

वन शहीद दिवस पर उनके ही विभाग के लोगों ने याद करने की जहमत नहीं उठाई। देश का वन शहीद स्मारक देहरादून में है, जहां राजपुर रोड स्थित वन मुख्यालय की दूरी कुछ किमी है। वन मुख्यालय में छोटे अधिकारी नहीं बल्कि प्रमुख वन संरक्षकों की फौज और वाहनों का काफिला है, इसके बाद भी कोई उच्चाधिकारी कार्यक्रम में नहीं पहुंचा। वहीं, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अफसर तक पहुंच गए। जबकि असम से प्रशिक्षण लेने वाले वनाधिकारी आ गए थे। वन मुख्यालय में भी शहीद दिवस पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ। संवेदनशीलता का यह हाल था कि स्मारक स्थल पर जहां सभी अधिकारी सम्मान में जूते उतारकर कर पुष्प गुच्छ अर्पित कर थे, वहीं एफआरआई के अधिकारी जूते पहने ही स्मारक स्थल पर पहुंच गए।

राष्ट्रीय सहारा
12 सितम्बर, 2017

शहीद वन रक्षकों का बलिदान किया याद

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर सोमवार को वन अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित वन शहीद स्मारक पर शहीद वन रक्षकों को श्रद्धांजलि दी गई। वनों व वन्यजीवों की रक्षा करते हुए अब तक 1400 वन कर्मी शहीद हो चुके हैं।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर किया स्मरण

अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. एससी गैरोला, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक डा. शशि कुमार, एफआरआई की निदेशक डा. सविता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डा. अजय कुमार आदि अधिकारियों व कार्मिकों ने शहीद हुए वन रक्षकों के बलिदान को याद कर उन्हें

शहीद वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देते एफआरआई के कार्मिक।

श्रद्धांजलि दी। आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. गैरोला ने कहा कि वर्ष 1736 में विश्नोई जनजाति समुदाय के 360 से ज्यादा लोग राजस्थान के खिजरोली में मारे गए थ। वह खेजडी के वृक्षों को जोधपुर के राजा द्वारा कटवाने का विरोध कर रहे ते। कहा कि देश में चौदह सौ से अधिक वन कर्मी वन संपदा व वन्यजीवों की रक्षा करते हुए अब तक शहीद हो चुके हैं। इन कार्मिकों के योगदान व बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

आई नेक्स्ट
12 सितम्बर, 2017

एफआरआई में मनाया गया वन शहीद दिवस, दी श्रद्धांजलि

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

» वन्यजीव की सुरक्षा के लिए के लिए मनाया जाता है बलिदान दिवस

DEHRADUN (11 Sept.) : सोमवार को एफआरआई में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया गया. वन शहीद स्मारक प्रांगण में इस मौके पर बताया गया कि यह दिवस वनों व वन्यजीव की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले वन रक्षकों की याद में हर साल मनाया जाता है.

शहीदों को किया याद

इस मौके पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक डॉ. शशि कुमार, एफआरआई की डायरेक्टर डॉ. सविता आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे. इस दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर सभी शहीदों के सम्मान व स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला ने कहा 1736 में विश्नोई जनजाति समुदाय के 360 से ज्यादा लोग राजस्थान के खिजरोली में मारे गए थे. जब उन्होंने खेजडी के वृक्षों को जोधपुर के राजा द्वारा कटवाने का विरोध किया था. आखिर में वन शहीदों की याद में दो मिनट के मौन भी रखा गया.

THE PIONEER
12 September, 2017

Forest Martyrs' Day held at Forest Research Institute

PNS ■ DEHRADUN

To honour the memory of foresters who had laid down their lives to protect forests and wildlife, National Forest Martyrs Day was observed on Monday at the Forester Memorial, Brandis Road inside Forest Research Institute here.

The director general of the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) SC Gairola, Indira Gandhi National Forest Academy (IGNFA) director Sashi Kumar, FRI director Savita, the regional office principal chief conservator of forests Ajay Kumar and other officials of ICFRE and FRI paid floral tributes at the foresters memorial in the institute to honour and remember all the men and women who have made the ultimate sacrifice for forests and wildlife.

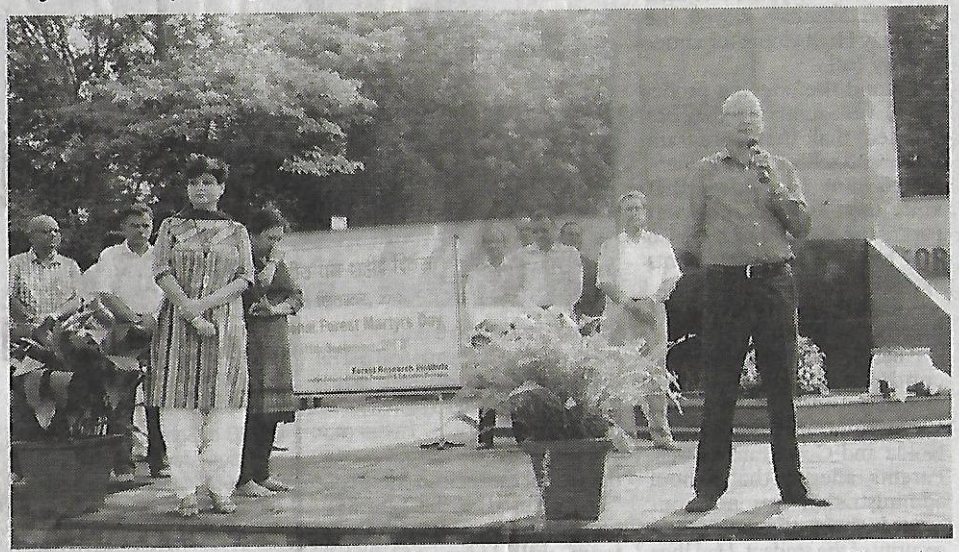

Officials at the event held to mark national forest martyrs' day in FRI Pioneer photo

Gairola recalled that on this day in 1730, over 360 people of the Bishnoi community were killed in Khejarli, now in Rajasthan, when they had objected to the felling of Khejri trees by the king of Jodhpur.

He also pointed out that about 1,400 foresters have so far attained martyrdom while safeguarding the country's forest wealth and wildlife in India, which is quite high as compared to the Asian and other countries of the world.

National Foresters Martyrs Day was attended by a large number of people including employees from ICFRE, FRI, CASFoS and IGNFA including IFS probationers, officers and employees of regional office and students of FRI Deemed University. A two-minute silence was also observed in memory of the martyrs.